वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 207 | शनिवार 23 नवम्बर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

''राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट'' की तैयारियों की समीक्षा बैठक

राइजिंग राजस्थान से प्रदेश की पूरे देश में उभरेगी नई पहचान भव्य आयोजन से निवेश समिट छोड़ेगा अमिट छाप: मुख्यमंत्री शर्मा

समिट के सुनियोजित आयोजन एवं ब्रांडिंग के दिए विस्तृत निर्देश

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने के लिए राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का वृहद् स्तर पर आयोजन करने जा रही है तथा इस समिट के माध्यम से प्रदेश की पूरे देश में एक नई पहचान उभरेगी। उन्होंने कहा कि इस दौरान होने वाली सभी गतिविधियों का सुनियोजित एवं भव्य स्तर पर आयोजन सुनिश्चित किया जाए, ताकि यह समिट निवेशकों को आकर्षित करने के साथ ही पूरे देश में अपनी छाप छोड़ सके। शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि समिट के दौरान होने वाले सभी कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के लिए कार्य निर्धारण के साथ अधिकारी नियुक्त किए जाएं और उनकी पूरी जिम्मेदारी तय की जाए। शर्मा ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के आयोजन का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश देते हुए कहा कि जयपुर में आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम के दौरान एयरपोर्ट से लेकर विभिन्न कार्यक्रम स्थलों के रास्तों पर आकर्षक होर्डिंग्स एवं बैनर लगाए जाएं। साथ ही, समिट में कंट्री पार्टनर के तौर पर शामिल होने वाले देशों की जानकारी को भी प्रमुख स्थानों पर विशेष रूप से दर्शाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान अपने आतिथ्य-सत्कार के लिए पूरे देश में जाना जाता है। उन्होंने कहा कि समिट में भाग लेने के लिए आने वाले ब्रांड एम्बेसेडर, निवेशकों एवं अन्य अतिथियों को सरल एवं सहज सुविधाएं उपलब्ध कराने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाए। साथ ही, उन्होंने उद्घाटन सत्र के दौरान आयोजित होने वाली गतिविधियों, अतिथियों की बैठक व्यवस्था तथा अन्य तैयारियों के विषय में जानकारी लेते हुए अधिकारियों को तैयारियों को अन्तिम रूप देने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव उद्योग अजिताभ शर्मा, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) आलोक गुप्ता, आयुक्त उद्योग एवं वाणिज्य रोहित गुप्ता, राजस्थान फाउंडेशन आयुक्त डॉ. मनीषा अरोड़ा सहित वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

'अमूल स्वच्छ ईंधन रैली' में जुटे 250 से ज्यादा बाइकर्स

पूणे से शुरू हुई रैली पहुंची जयपुर, जवाहर सर्किल पर श्रुति भारद्वाज ने दिखाई झंडी

जयपुर. कासं

भारत में 26 नवंबर को राष्ट्रीय दुग्ध दिवस के रूप में मनाया जाता है। सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा प्रेरित दुग्ध सहकारी आंदोलन के परिणामस्वरूप 1946 में अमूल की स्थापना हुई, जिसे पूरे देश में दोहराया गया। इसी के परिणामस्वरूप भारत दुनिया में दूध का सबसे बड़ा उत्पादक देश बना है। अमूल इस उत्सव को भारत के चार कोनों, पुणे, कोलकाता, जम्मू और गुजरात के हिम्मतनगर से चार मेगा कार और बाइक रैलियों का आयोजन करके मना रहा है। ये रैलियां दिल्ली में 26 नवंबर को राष्ट्रीय दुग्ध दिवस के अवसर पर भारत सरकार के पशुपालन और डेयरी मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में

शामिल होंगी। अमूल टीम की ओर से संचालित 24 मारुति सुजुकी बायोसीएनजी कार और 24 बजाज बायोसीएनजी बाइक की चार अलग-अलग रैलियां विभिन्न राज्यों से होकर गुजरेंगी और मार्ग में किसानों, डेयरी सहकारी समितियों और संस्थानों के साथ मिलकर डेयरी सहकारी समितियों की विरासत का उत्सव मनाएंगी और सर्कुलर अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों के बारे में जागरूकता फैलाएंगी। 15 नवंबर को पुणे से शुरू हुई अमूल स्वच्छ ईंधन रैली 22 नवंबर को जयपुर पहुंची, जहां 250 से अधिक बाइकर्स ने इसमें हिस्सा लिया। रैली को राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन की प्रबंध निदेशक श्रुति भारद्वाज ने पत्रिका गेट से हरी झंडी दिखाई। यह रैली जयपुर के पत्रिका गेट पर शुरू होकर 6 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए शहर के विभिन्न हिस्सों में पहुंची। इस आयोजन में आरसीडीएफ, अमूल के अधिकारी और चैनल पार्टनर्स भी शामिल हुए, जिन्होंने क्लीन फ्यूल और टिकाऊ विकास को समर्थन दिया।

कान्हा

कान्हा प्रेम का प्रतीक, प्रेम की देता हैं सीख ,
घाव कर देता ठीक, कान्हा करतार है।
कान्हा है गीता संदेश ,जीवन का उपदेश ,
मिटा देता सारे क्लेश ,कान्हा भरतार है ।
षोडश कलाएं पास ,जीने की जगाए आस ,
पापियों का करे नाश ,कान्हा अवतार है ।
किसी का भी साथ नहीं,डरने की बात नहीं ,
कान्हा तेरे साथ है तो शत्रु तार तार है ।।
नवीन जैन नव बीगोद राजस्थान

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का किया स्वागत

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर एयर पोर्ट पर राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का विदेश यात्रा से जयपुर आगमन पर विधानसभा अधिकारी एवं कर्मचारियों ने गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया गया। अधिकारी परिषद के अध्यक्ष लोकेश जैन बचत साख सहकारी समिति के अध्यक्ष रवि जैन आदि ने गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया।

श्री आदिनाथ धर्मार्थ चिकित्सा केंद्र द्वारा मेडिकल कैंप का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री आदिनाथ धर्मार्थ चिकित्सा केंद्र के तत्वावधान में क्रैक द वैलनेस कोड फाउंडेशन के सौजन्य से गीता बजाज स्कूल, गोविन्द मार्ग में 22 नवंबर 2024 को स्कूली बच्चों के लिए निशुल्क मेडिकल परामर्श एवं जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर का संचालन डॉक्टर एस. सी. बोहरा के सानिध्य में किया गया, इसमें डॉ. प्रदीप जैन ने विद्यार्थियों की स्वास्थ्य जांच की । डॉ .स्तुती थापर की टीम द्वारा डेंटल जॉच और डायटीशियन डॉ. मीनल शर्मा ने भी अपनी सेवाएं दीं तथा शिविर में हीमोग्लोबिन, रक्त समूह की जांच विजन डायग्नोस्टिक सेंटर मालवीय नगर द्वारा एवं वजन, लंबाई, ऑक्सीजन स्तर की जांच और सामान्य स्वास्थ्य परामर्श जैसी सेवाएं निशुल्क प्रदान की गईं। शिविर के दौरान अनिल कुमार गोधा की ओर से उपस्थित छात्रों को गिफ्ट हैम्पर वितरित किए गए। कैंप के सुचारू संचालन की जिम्मेदारी सुरेश लुहाड़िया, जितेंद्र जैन व अशोक कासलीवाल ने निभाई । फाउंडेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर वी. के. काला ने श्री आदिनाथ धर्मार्थ चिकित्सा केंद्र, थापर डेंटल क्लिनिक , डॉक्टर बोहरा और डॉ मीनल शर्मा का हार्दिक धन्यवाद करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन समुदाय के स्वास्थ्य सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम की निदेशक डॉ. गार्गी गोपेश ने कहा कि इस तरह के शिविर विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने में सहायक होते है । छात्र-छात्राओं ने बड़ी संख्या में इस शिविर से लाभ उठाया।

समीक्षा

अनुपमा (सबकी सहेली)

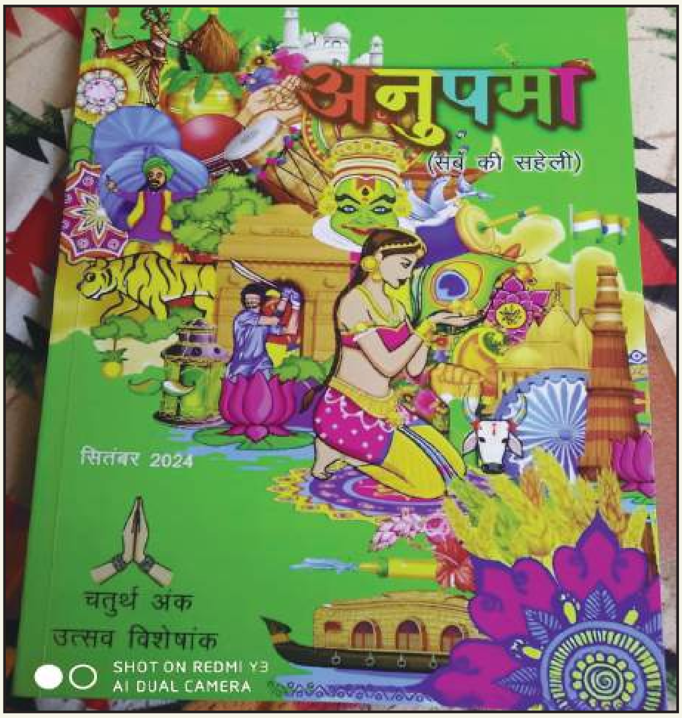

चतुर्थ अंक - उत्सव विशेषांक

अनुपमा पत्रिका का चतुर्थ अंक जो कि उत्सव विशेषांक था। उसका सफल प्रकाशन किया गया। उसमें बहुत से देश विदेश के रचनाकारों ने अपनी रचनाएं प्रकाशित करवाई। और जैसा की चतुर्थ अंक उत्सव विशेषांक का उद्देश्य था उसी के अनुरूप अपने सृजन के माध्यम से विभिन्न देश विदेश और अलग अलग राज्यों के विभिन्न उत्सवों से संबंधित जानकारी दी गई है। उत्सव किसी भी समाज और संस्कृति की पहचान होते हैं। देश-विदेश और विभिन्न राज्यों के उत्सवों पर आधारित यह पुस्तक पाठक को सांस्कृतिक विविधता, पारंपरिक धरोहर और मानव जीवन में त्योहारों के महत्व से रूबरू कराती है। पुस्तक की खासियत यह है कि इसमें उत्सवों की ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को बताया गया है। देश में होली, दीवाली, ईद, पोंगल, ओणम जैसे प्रमुख त्योहारों के अलावा छोटे-छोटे समुदायों द्वारा मनाए जाने वाले स्थानीय उत्सवों पर भी प्रकाश डाला गया है। पुस्तक की भाषा सरल और रोचक है, जो हर उम्र के पाठकों के लिए उपयुक्त है। लेखकों ने प्रत्येक त्योहार के साथ जुड़ी अनूठी परंपराओं और रीति-रिवाजों का वर्णन से पाठकों को उस त्योहार का जीवंत अनुभव होता है। लेखन शैली बहुत ही सहज और सरल है, जो उत्सवों के बारे में जानने की जिज्ञासा को बढ़ाती है। पुस्तक पाठक को यह समझने में मदद करती है कि कैसे विभिन्न संस्कृतियां अपने त्योहारों के माध्यम से अपनी पहचान बनाए रखती हैं। यह पुस्तक केवल उत्सवों की जानकारी देने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वैश्विक सांस्कृतिक धरोहर को समझने और उसके महत्व को पहचानने का एक महत्वपूर्ण साधन है। यह न केवल विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं के लिए उपयोगी है, बल्कि आम पाठकों के लिए भी बेहद रुचिकर और जानकारी पूर्ण है। यदि आप उत्सवों के माध्यम से दुनिया को समझना चाहते हैं, तो यह पुस्तक आपके लिए अवश्य पठनीय है। इसके लिए सभी से अनुरोध है कि एक बार अनुपमा पत्रिका के इस अंक को अवश्य पढ़ें। इसकी शुरूआत करने वाली साहित्य के क्षेत्र की एक नवोदित लेखिका सुशी सक्सेना है। और इसके सहयोगी सलाहकार अनुपमा, डौली झा, प्रशान्त श्रीवास्तव और कनिका शर्मा जी हैं। जिनका सफलता के इस मुकाम तक पहुंचाने में इनका अमूल्य सहयोग शामिल है। जिन्होंने इसे बेहद लोकप्रिय बनाने का संकल्प लिया है। अनुपमा एक ऐसी पत्रिका है जिसमें नये पुराने छोटे बड़े सभी तरह के कलाकारों को अपनी लेखनी चलाने का अवसर प्रदान किया जाता है और उन्हें सम्मान पत्र से सम्मानित किया जाता है। पत्रिका के तृतीय अंक में सभी वर्ग के लोगों के लिए सभी तरह की आवश्यक जानकारी साहित्य के रूप में मिलेगी। साथ ही इसमें कहानी, गीत, कविता, कथा, लघुकथा, आत्मकथा, आलेख, संस्मरण, गृहसज्जा, फैशन, खान पान, रिश्ते, ब्यूटी टिप्स, हेल्थकेयर, बुक समीक्षा, यात्रा, करियर, पैरेन्टिंग, परवाह आदि सभी तरह की रचनाएं पढ़ने को मिलेंगी। इसे यूनिक फील पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित किया गया है।

अनुपमा (सब की सहेली)
सुशी सक्सेना इंदौर मध्यप्रदेश

पंच दिवसीय न्याय दीपिका कार्यशाला का समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय में 18 नवम्बर को शुरू हुई पंच दिवसीय न्याय दीपिका कार्यशाला आज सम्पन्न हुई। कार्यशाला के पाँचवें दिन आज प्रथम सत्र में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के जैन दर्शन विभाग के प्रो. कमलेश जैन ने 'अनेकान्त और नय' विषय पर प्रकाश डाला। द्वितीय सत्र में समापन एवं धन्यवाद ज्ञापन किया गया। समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. कमलेश जैन, महाविद्यालय के अध्यक्ष एन. के. सेठी (सेवानिवृत आइ.ए.एस) मंत्री महेश चन्द्र 'चाँदवाड़', प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार जैन, कार्यक्रम संयोजक जैन दर्शन विभाग के अनिल जैन एवं डॉ. हितेंद्र, कार्यक्रम संचालक डॉ. कृष्णदेव शुक्ल एवं डॉ. श्रुति पारीक (आइ क्यू ए सी समन्वयक) मंच पर उपस्थित रहे।कार्यशाला में लगभग 130 छात्र- छात्राओं ने प्रतिभागिता निभाई। कार्यशाला पर आधारित एक परीक्षा का भी आयोजन किया गया और श्रेष्ठ विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

व्यंतर देवों का उपसर्ग हमारे कर्मों अनुसार होता है, पूजन में अर्जित पुण्य से हमारे कष्ट दूर होते हैं: आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

पारसोला. शाबाश इंडिया। पंचम पट्टाधीश आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज सन्मति भवन में संघ सहित विराजित है आचार्य श्री संघ सानिध्य में स्थानीय श्यामा वाटिका में सर्वतोभद्र विधान की महामंडल की पूजन चल रही है। नंदीश्वर जिनालयों की पूजन पूर्ण हो चुकी है।आज कुंडल गिरी, रुचक गिरी व्यंतर, किन्नर , किंपुरुष, महोरग ,गंधर्व , यक्ष ,राक्षस भूत,पिशाच ज्योतिषक देवों के भवनों में स्थित जिनालयों की पूजन चल रही है। जयंतीलाल कोठारी अध्यक्ष जैन समाज, ऋषभ पचौरी अध्यक्ष वषार्योग समिति राजेश पंचोलिया अनुसार आचार्य श्री ने विधान में प्रवचन में बताया कि जिनवाणी से हमें ज्ञान मिलता हैं ज्ञानमति माताजी द्वारा रचित इस विधान में जिनागम भरा हुआ है। अकृत्रिम जिनालयों स्वयं सिद्ध शास्वत है। पूजन मन लगाकर करना चाहिए ।अभिषेक के बिना पूजन अधूरा हैं।पूजन से कर्म और कष्ट दूर होता है। सुभौम चक्रवर्ती और रसोईया का प्रसंग से बताया कि व्यंतर देवों का प्रकोप हमारे कर्मों पर निर्भर है इसलिए किसी से बैर नहीं करना चाहिए कषाय नहीं करना चाहिए। पूजन में जो द्रव्य लिखे गए हैं वही चढ़ाना चाहिए।

अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से

कुलचाराम से बद्रीनाथ अहिंसा संस्कार पदयात्रा से

<u>कामना, वासना और इच्छा अभिलाषा के रहते हुये प्राण चले जाये तो वह मृत्यु है.. और प्राण के रहते हुये कामना, वासना, इच्छा अभिलाषा निकल जाये वह मूक्ति है..।</u>

मैं देख रहा हूं - आज जितनी सुख सुविधा मिल रही है, आदमी को वह उतना ही ज्यादा दुखी परेशान नजर आ रहा है। जबकि अतीत में इतनी सुख सुविधाएं नहीं थी, फिर भी लोग सुख शान्ति आनंद प्रेम का जीवन जीकर मुस्कुरा रहे थे और आज सब कुछ होते हुए भी आदमी तनाव ग्रस्त होकर जीवन जी रहा है। इसका एक ही कारण है - जो है पर्याप्त है, उसका सुख नहीं भोग रहे हैं, बल्कि जो नहीं मिला है उसके दुःख में आदमी मरा जा रहा है। समझदारी इसी में है जो प्राप्त है, उसका आनंद लो और समय का सदुपयोग करो। आज सब कुछ होने के बाद भी आदमी चिन्तित, परेशान नजर आ रहा है। जितने भौतिक सुख संसाधन

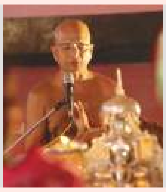

बढ़ रहे हैं, उतनी ही परेशानियां बढ़ती नजर आ रही है। समभाव, सन्तोष, सदुपयोग से हर वस्तु सुख दे सकती है अन्यथा मिली हुई भौतिक सुख सुविधाओं के दुरूपयोग से आदमी जीते जी मर रहा है। क्योंकि मन की असन्तुष्टी, ना जीने देती है ना मरने। इन दिनों वस्तुओं का अभाव नहीं बल्कि उसका दुरूपयोग ही घर परिवार की स्थिति को नेटवर्क के बाहर ले जा रही है।

<u>सौ बात की एक बात:</u> परमात्मा ने हमें हमारी औकात से ज्यादा दे दिया है। इसलिए हम अनीति, अन्याय, उदण्डता का मार्ग अपना रहै हैं और गा रहे हैं - मैं का करू राम मुझे कर्मों ने घेरा।

-नरेंद्र अजमेरा,
पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

वेद ज्ञान

आत्मा ही हमें जीवित रखती है

पूर्व के देशों में लोगों की यह मान्यता है कि मनुष्य जीवन के तीन पहलू हैं और तीनों का विकास होना चाहिए। ये पहलू हैं-बौद्धिक, शारीरिक और आध्यात्मिक। दुर्भाग्य से हम अपने आध्यात्मिक पहलू को भूल गए हैं, जबकि हम बौद्धिक हैं और शारीरिक विकास में बहुत आगे बढ़ चुके हैं। चाहे कोई पूर्व से हो या पश्चिम से, सभी आमतौर से यह मानते हैं कि हमारे शरीर में आत्मा का निवास है और आत्मा ही वह ताकत है, जो हमें जीवित रखती है। यह विश्वास किया जाता है कि जब आत्मा शरीर को छोड़ती है तो मृत्यु हो जाती है। हम खुशनसीब हैं कि हमने मनुष्य जन्म पाया है। अपने इसी जीवन में यदि हम अपने आध्यात्मिक विकास के लिए समय नहीं निकालेंगे तो हम मनुष्य जन्म का पूरा फायदा हासिल नहीं कर सकेंगे। अध्यात्म जीवन के उच्च आदर्शों को विकसित करना सिखाता है और बेहतर इंसान बनाना सिखाता है। अध्यात्म का मतलब है बिना रंग, धर्म, देश, अमीर-गरीब या पूर्व-पश्चिम का भेदभाव बगैर पूरी इंसानियत के प्रति अपने दिलों में प्यार पैदा करना। प्रभु की ज्योति सभी लोगों के अंदर है, यह अहसास हमें विश्व में शांति और समता का भाव लाने में मदद करेगा। एक बार हम महसूस कर लें कि हमारी आत्मा, परमात्मा का अंश है और यह अंश सभी इंसानों के अंदर समान रूप से है और इंसान ही नहीं, सृष्टि के सभी जीवों में है तो हम किसी का कोई नुकसान नहीं करेंगे। उसके बाद हम सबके अंदर अच्छाई देखना शुरू कर देंगे। हम दूसरों की भलाई के बारे में सोचने लग जाएंगे। हम प्रकृति को नष्ट करना बंद कर देंगे। प्रभु ने इस पृथ्वी पर जिंदा रहने के लिए कुदरत के उपहार प्रदान किए हैं। जब हम कुदरत की चीजों को नष्ट करते हैं, जो हमें मिली हैं, अथवा जब हम जमीन से अपनी जरूरत से अधिक वस्तुएं लेते हैं तो जमीन को सुधारने के बजाय उसे प्रदूषित करते हैं। इस स्थिति में हम पूरी दुनिया को नुकसान पहुंचाते हैं। ब्रह्मांड को पूरे संतुलित तरीके से बनाया गया है। यदि हम प्रकृति का पूरा ध्यान नहीं रखते हैं तो बहुत नुकसान उठाना पड़ता है और यदि हम स्वयं का पूरा ध्यान नहीं रखते हैं तो बहुत नुकसान उठाना पड़ता है। चाहें वह बौद्धिक रूप से हो, शारीरिक रूप से हो या आध्यात्मिक रूप से हो तो दुनिया में हमारा जीवन भी प्रभावित होता है।

संपादकीय

एक बार फिर निशाने पर अदाणी

एक भारतीय कंपनी और उसके मालिक का फिर आरोपों के निशाने पर आ जाना बहुत दुखद व चिंताजनक है। शुरूआती सूचनाओं से ऐसा लगता है कि भारत में रिश्वत दिए जाने की साजिश का खुलासा अमेरिका में हुआ है। अभी तक जो तथ्य सामने आए हैं, उनके मुताबिक, अमेरिकी अभियोजकों ने कहा है कि भारतीय अदाणी समूह के अरबपति अध्यक्ष और दुनिया के दिग्गज अमीरों में शुमार गौतम अदाणी को कथित अरबों

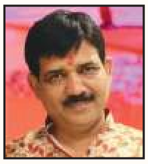

डॉलर की रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी योजना में उनकी भूमिका के लिए न्यूयॉर्क में दोषी माना गया है। लगाए गए आरोप के मुताबिक, गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी सहित सात अन्य प्रतिवादियों ने 20 वर्षों में दो अरब डॉलर का लाभ देने वाले अनुबंध प्राप्त करने और भारत की सबसे बड़ी सौर ऊर्जा संयंत्र परियोजना विकसित करने के लिए भारत सरकार के अधिकारियों को लगभग 26.50 करोड़ डॉलर की रिश्वत देने पर सहमति व्यक्त की थी। खैर, अदाणी समूह ने आरोपों को गलत ठहराते हुए यथोचित कानूनी कार्यवाही का इरादा जाहिर किया है। कोई पहली बार नहीं है कि यह समूह निशाने पर आया हो। हिंडनबर्ग मामले में भी इस समूह को बहुत परेशानी हुई थी। दूरगामी रूप से समूह पर कोई खास फर्क नहीं पड़ा था, पर ताजा आरोप बहुत गंभीर हैं। अगर किसी परियोजना में 2,000 करोड़ रुपये की रिश्वत अधिकारियों को दी जा सकती है, तो फिर अंदाजा लगाने की बात है कि देश में भ्रष्टाचार का क्या आकार होगा? कॉरपोरेट मामले में अधिकारियों पर आरोप लगना भी कोई नई बात नहीं है, पर अधिकारी अगर इतनी ज्यादा रिश्वत लेने लगे हैं, तो कड़ी कार्रवाई के खिलाफ भला कौन बोलेगा? कोई आश्चर्य नहीं कि यह मामला राजनीतिक तूल पकड़ चुका है। पूछा जाने लगा है कि चंद हजार का घोटाला करने वाले को तो जेल हो जाती है, पर जहां 2,000 करोड़ रुपये का घोटाला हो सकता था, वहां आरोपियों के प्रति नरमी क्यों बरती जाए? अमेरिका अगर सख्ती बरतेगा, तो अदाणी की परेशानियों में बहुत इजाफा हो जाएगा। अदाणी पर अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग के नागरिक मामले में भी आरोप लगाया गया है। अमेरिका में काम करने का अपना तरीका है, पर ऐसे मामलों में भारत में रिश्वत कताई चौंकाती नहीं है। हां, यह जरूर है कि ऐसी रिश्वत या उसकी पेशकश या उसकी संभावनाओं को अदालत में साबित करना आसान नहीं है। इसी का फायदा अनियमित आचरण वाले उद्यमी और अधिकारी हमेशा से उठाते आ रहे हैं। बहरहाल, इस पूरे मामले को हर पहलू से देखना चाहिए। क्या एक बड़ी भारतीय कंपनी या समूह को निशाना बनाया जा रहा है? क्या तेजी से बढ़ते भारतीय शेयर बाजारों को नीचे लाने की साजिश हो रही है ? अमेरिकी अभियोजकों को यह साबित करना चाहिए कि भारत के सबसे अमीर व्यक्ति पर लगाए गए आरोप सही हैं भारत के लिए भी यह अच्छी बात नहीं है कि किसी भारतीय उद्यमी को अमेरिका जैसे देश में गलत समझा या माना जाए गोपनीय ही सही, आरोपों की पूरी जांच होनी चाहिए। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

आतंक और संवाद

यह कोई छिपा तथ्य नहीं है कि आतंकवाद दुनिया भर के लिए एक बड़ी चुनौती है और इससे पीड़ित देशों की सीमाएं नहीं रह गई लगती हैं। इस समस्या ने कई अलग-अलग शक्ल अख्तियार कर लिए हैं और निशाने पर लिए गए देश में हमला करके निर्दोष लोगों की हत्या करने में आतंकियों को जरा भी हिचक नहीं होती। भारत पिछले कई दशक से इस जटिल समस्या का सामना कर रहा है। कई बार बड़े और घातक आतंकी हमलों में बड़ा नुकसान उठाने के समांतर भारत ने बहुत सख्ती से आतंकवाद से मोर्चा भी लिया है। हर घोड़े दिनों के अंतराल के बाद जम्मू-कश्मीर में मुठभेड़ में आतंकियों के मारे जाने की घटनाएं बताती हैं कि भारत किस तरह की चुनौती से जूझ रहा है। आज भी हालत यह है कि आए दिन कश्मीर में आतंकी हमले होते रहते हैं और उसमें आम लोगों और सुरक्षा बलों के जवानों की जान चली जाती है सवाल है इस तरह आतंकी तत्वों को संरक्षण कौन देता है? किसे इस बात से संतोष मिलता दिखता है कि भारत को आतंकवाद की समस्या का जाल में फंसा कर रखा जाए, ताकि उसे अन्य मोर्चों पर अपनी संगठित ऊर्जा लगाने का मौका न मिले। यह जगजाहिर रहा है कि भारत में और खासतौर पर जम्मू-कश्मीर के इलाके में जितने भी आतंकवादी संगठन सक्रिय हैं, आमतौर पर वे पाकिस्तान स्थित ठिकानों से संचालित होते हैं। कुछ वर्ष पहले बेजिंग में हुए ब्रिक्स बैठक के घोषणापत्र में अपनी सीमा में आतंकवादी संगठनों को पनाह देने के लिए पाकिस्तान को कठघरे में भी खड़ा किया गया था। एक ओर पाकिस्तान अपनी सीमा में ऐसे ठिकानों को ध्वस्त करने और आतंकी संगठनों के खाने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाता है और दूसरी ओर वह अंतरराष्ट्रीय मंत्रों पर शांति और बातचीत की दुहाई भी देता है। यह स्थिति तब भी बनी हुई है जब खुद पाकिस्तान में भी आम लोग आए दिन बड़े आतंकी हमलों का शिकार होते रहते हैं। गुरुवार को भी पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में हुए आतंकी हमले में कम से कम पचास लोगों के मारे जाने और कइयों के घायल होने की खबर आई। इसी तरह के दोहरे रवैये से आतंकवाद की समस्या से निपटने के उसके दिखाने का पता चलता है जिसका खमियाजा खुद उसे भी उठाना पड़ता है। हालांकि भारत ने अपनी ओर से पाकिस्तान के सामने बातचीत के जरिए समस्याओं के निपटाने का दरवाजा खुला रखा, इसके बावजूद पाकिस्तान के रुख में कोई बदलाव नहीं आया । इसलिए अमेरिका में एक कार्यक्रम के दौरान संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत ने ठीक ही कहा है कि पाकिस्तान के साथ बातचीत में पहला मुख आतंकवाद पर रोक लगाना है। यों थी, आतंकवाद के प्रति भारत की नीति स्पष्ट रही है कि वह इसे किसी भी रूप में बिल्कुल बचश्त नहीं करेगा। इसकी वजह यही रही है कि भारत लंबे समय से सीमापार से जारी और इसके अलावा भी वैश्विक आतंकवाद का शिकार रहा है। मुंबई और पुलवामा में हुए आतंकी हमलों की तरह की बड़ी घटनाओं के अलावा यह समस्या भारत के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। पिछले कुछ समय से जम्मू-कश्मीर के अलग-अलग इलाके में जिस तरह लक्षित आतंकी हमलों का सिलसिला बढ़ गया है उसके खोत और कारण को समझना मुश्किल नहीं है। बिना यह है कि अनेक मौके पर अंतरराष्ट्रीय बिरादरी से आतंकवाद के मसले पर फटकार सुने के बावजूद पाकिस्तान को अपनी भूमिका में सुधार लाने की जरूरत महसूस नहीं होती।

डिजिटल मार्केटिंग: आधुनिक युग का प्रभावी व्यापार साधन

डिजिटल मार्केटिंग आज के समय में व्यापार और उपभोक्ताओं के बीच संवाद स्थापित करने का सबसे प्रभावी माध्यम बन चुका है। यह इंटरनेट, सोशल मीडिया, ईमेल, वेबसाइट्स, और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से उत्पादों और सेवाओं के प्रचार का तरीका है। डिजिटल युग में जहां लोग हर दिन ऑनलाइन जुड़े रहते हैं, डिजिटल मार्केटिंग ने पारंपरिक प्रचार-प्रसार के तरीकों को पीछे छोड़ते हुए नई संभावनाओं के द्वार खोल दिए हैं।

डिजिटल मार्केटिंग के मुख्य तत्व

1. सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (SEO):यह तकनीक आपकी वेबसाइट को सर्च इंजन के पहले पन्ने पर लाने का प्रयास करती है, जिससे आपकी वेबसाइट पर ट्रैफिक बढ़ता है।
2. पे-पर-क्लिक (PPC):इसमें विज्ञापनदाता हर बार विज्ञापन पर क्लिक होने पर भुगतान करता है। यह तुरंत ट्रैफिक लाने का प्रभावी तरीका है।
3. सोशल मीडिया मार्केटिंग:सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम, लिंक्डइन, और ट्विटर के माध्यम से ब्रांड का प्रचार किया जाता है।
4. कंटेंट मार्केटिंग:इसमें उपभोक्ताओं को आकर्षित करने के लिए ब्लॉग, वीडियो, ईबुक और अन्य सामग्री का उपयोग किया जाता है।
5. ईमेल मार्केटिंग:यह ग्राहकों से संवाद स्थापित करने और उन्हें उत्पाद या सेवाओं की जानकारी देने का एक प्रभावी तरीका है।
6. इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग:लोकप्रिय व्यक्तियों (इन्फ्लुएंसर्स) के माध्यम से उत्पाद का प्रचार किया जाता है, जो उपभोक्ताओं पर गहरा प्रभाव डालते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग के लाभ

1. **लागत प्रभावी:** पारंपरिक तरीकों की तुलना में डिजिटल मार्केटिंग कम लागत में अधिक लोगों तक पहुंचने का अवसर प्रदान करती है।
2. **विस्तृत पहुंच:** इंटरनेट के माध्यम से वैश्विक स्तर पर ग्राहकों से जुड़ने का मौका मिलता है।
3. **डेटा विश्लेषण:** डिजिटल मार्केटिंग में ट्रैफिक, उपभोक्ता व्यवहार, और बिक्री को आसानी से मापा और समझा जा सकता है।
4. **टार्गेटेड मार्केटिंग:** यह सही ग्राहक तक सही समय पर सही संदेश पहुंचाने में मदद करती है।
5. **तेज परिणाम:** डिजिटल मार्केटिंग के माध्यम से तुरंत ट्रैफिक और बिक्री में वृद्धि देखी जा सकती है।

डिजिटल मार्केटिंग की चुनौतियांबढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण लागत में वृद्धि।ऑनलाइन डेटा सुरक्षा और गोपनीयता को सुनिश्चित करना। सही रणनीति और टूल्स का चयन करना। भविष्य की संभावनाएंडिजिटल मार्केटिंग का भविष्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, वॉयस सर्च, और वर्चुअल रियलिटी जैसी तकनीकों से और भी रोचक और प्रभावी होगा। आने वाले वर्षों में यह व्यापार की दुनिया का अभिन्न हिस्सा बन जाएगा। निष्कर्ष डिजिटल मार्केटिंग ने व्यापार की दुनिया में क्रांति ला दी है। यह न केवल व्यवसायों को बढ़ाने में मदद करता है, बल्कि उपभोक्ताओं को उनकी जरूरत के अनुसार विकल्प भी प्रदान करता है। इसलिए, हर छोटे से बड़े व्यवसाय के लिए यह जरूरी है कि वे डिजिटल मार्केटिंग को अपनाएं और इसका लाभ उठाएं।

-अनिल माथुर जोधपुर (राजस्थान)

महावीर पब्लिक स्कूल में होगा वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

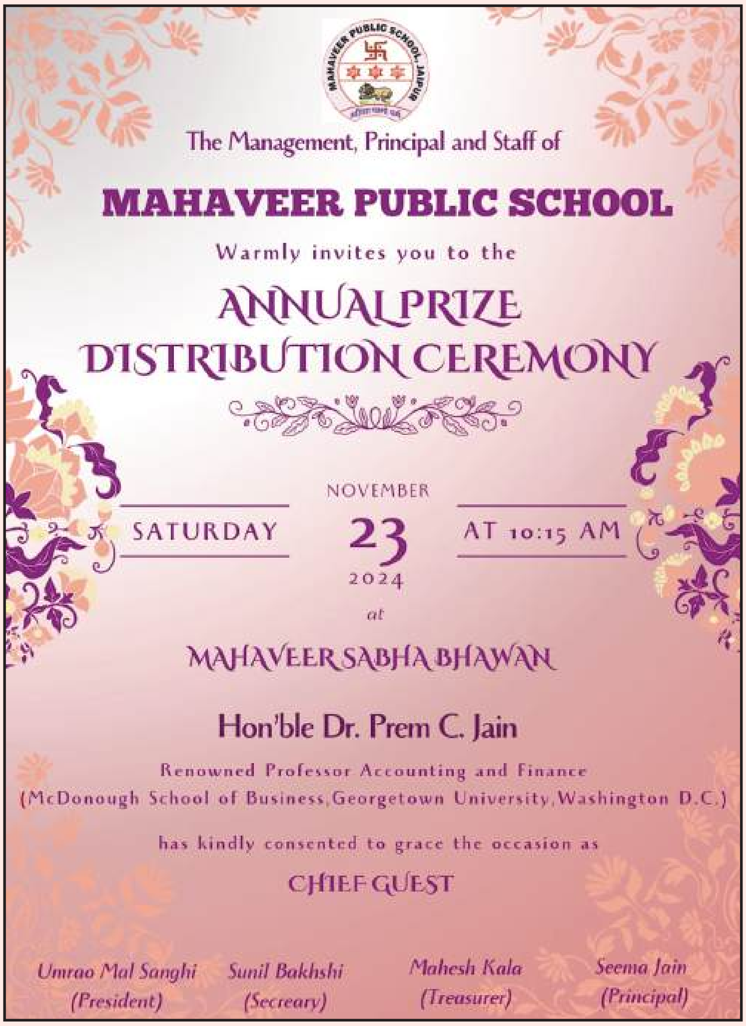

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिनांक 23 नवंबर शनिवार को प्रातः 10:00 बजे महावीर पब्लिक स्कूल के वर्धमान सभा भवन में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन के मुख्य अतिथि डॉ. प्रेमचंद जैन (प्रोफेसर,एकाउंटिंग और फाइनेंस, मैकडनफ स्कूल ऑफ बिजनेस, जॉर्ज टाउन यूनिवर्सिटी, वॉशिंगटन डी.सी.) होंगे। इस समारोह में विद्यालय के कक्षा 12वीं तक के लगभग 56 छात्र-छात्राओं को शिक्षा एवं खेल के क्षेत्र में उनकी विभिन्न प्रतिभाओं हेतु नगद पुरस्कार, ट्रॉफी,मेडल एवं प्रमाण पत्रों के द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

विश्व धरोहर सप्ताह के अन्तर्गत विशेष उद्बोधन

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। केन्द्रिय संग्रहालय पुरातत्व संचालनालय म प्र शासन द्वारा आज संग्रहालय स्थित मुख्य आडीटोरियम मे कार्यक्रम आयोजित किया गया । तीर्थरक्षणी महासभा के मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने बताया कि इस कार्यक्रम मे आयोजित व्याख्यान माला मे डा संध्या भार्गव विभागाध्यक्ष इतिहास, डा हरिराम पाटीदार विभागाध्यक्ष ट्रेवल्स एवं टुरिज्म , श्री आस्तिक भारद्वाज प्रोग्राम कोर्डिनेटर IGNCA दिल्ली डा एस के भट्ट वरिष्ठ पुरातत्वविद गिरीश शर्मा वरिष्ठ संग्रहक तथा प्रकाश परांजपे डायरेक्टर संग्रहालय एवं आशुतोष महाशब्दे वरिष्ठ अधिकारी एवं समाज जन उपस्थित हुए। सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा द्वीप प्रज्वलन किया गया इसके बाद सभी अतिथियों का पुष्प गुच्छ से संचालनालय के अधिकारियों द्वारा स्वागत किया गया ।तीर्थरक्षणी महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष टी के वेद ने महासभा का परिचय दिया। पश्चात महासभा के प्रांतीय अध्यक्ष इंदर सेठी, तीर्थ संरक्षिणी महासभा के प्रांतीय अध्यक्ष देवेंद्र सेठी , प्रदेश कोषाध्यक्ष राकेश पाटनी व श्रीमती अंजु सेठी द्वारा सभी पदाधिकारियों का माला व श्रीफल से सम्मान किया गया तथा सभी विशिष्ट अतिथियों को महासभा द्वारा प्रकाशित साहित्य का एक सेट भेंट किया गया। कार्यक्रम में सभी वक्ताओं ने अपने विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

स्वर मंजरी ग्रुप के भक्ति रस पोस्टर का विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया। संगीत की दुनिया में रफी ,मुकेश,किशोर,लता जैसे कई सितारों के गानों को जीवंत रखने वाला बहुत ही बड़ा ग्रुप स्वर मंजरी (सुर और संगीत)जिसमें 500 से ज्यादा इंडिया के ळडढ सिंगर्स और संगीतज्ञ जुड़े हुए हैं,इस ग्रुप को लोगों के मनोरंजन के लिए बनाया गया, इस के भक्ति रस कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन जयपुर के बड़े होटल में आज किया। ये आयोजन 8 दिसंबर को जयपुर के बड़े ऑडिटोरियम में होने जा रहा है,स्वर मंजरी ग्रुप के ऑर्गेनाईजर्स श्वेता मिश्रा,कंचन अग्रवाल, ऋषि जैन,चक्रेश मिश्रा,रजनीश उपाध्याय,डॉ अशोक शर्मा,विकास चंदेलिया, महेंद्र शर्मा ने बताया 8 तारीख को होने वाले कार्यक्रम में प्रदेश के सुविख्यात गायकों को सुनने का मौका मिलेगा और ये कार्यक्रम भक्ति (प्रभु,माता पिता,देश)के प्रति समर्पित रहने वाला है।

पारस जैन पार्श्वमणि और श्रीमती सारिका जैन का भावपूर्ण अभिनंदन

पिताजी की सेवा और समर्पण के प्रति निष्ठा के लिए हुआ भाव भीना सम्मान

कोटा. शाबाश इंडिया। मां चर्मण्यवती के पावन तट पर स्थित आर.के. पुरम के देव शास्त्र गुरु के परम भक्त, व्यवहार कुशल विमल चंद जैन 16 अगस्त 2022 को ब्रेन पैरालिसिस बीमारी से ग्रसित हो गए थे। विगत 2 साल 6 महीने तक उनकी दिन-रात पूर्ण निष्ठा और समर्पण भाव से सेवा करने के उपलक्ष्य में, कोटा सकल जैन समाज के पूर्व अध्यक्ष, समाजसेवी एवं ऊर्जावान धर्मनिष्ठ अजय जैन बाकलीवाल और पारस जैन (पत्रिका) एवं श्रीमती मृदुला जैन ने पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार और सद संस्कारो से युक्त श्रीमती सारिका जैन का भावपूर्ण अभिनंदन कर उन्हें माल्यार्पण किया। अजय बाकलीवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, आज के समय में ऐसे संदेश तेजी से वायरल होते हैं, जिनमें यह दिखाया जाता है कि कुछ लोग अपने माता-पिता की सेवा नहीं करते। ऐसे माहौल में पारस जैन पार्श्वमणि और श्रीमती सारिका जैन ने समाज को यह सकारात्मक संदेश दिया है कि आज भी ऐसे लोग हैं, जो अपने माता-पिता की सेवा को प्राथमिकता देते हैं। विमल चंद जैन के अंतिम समय में जिस प्रकार उनके बेटे और बहू ने निष्ठा और समर्पण से उनकी सेवा की, उसका प्रचार होना चाहिए ताकि यह सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सके। अगर माता-पिता की तन-मन-धन से सेवा करने वाले बेटा-बहू का समाज में वास्तविक सम्मान होने लगेगा, तो नई पीढ़ी में माता-पिता के प्रति आदर और सम्मान का भाव बढ़ेगा। साथ ही, ''ओल्ड एज होम'' जैसी अवधारणाओं को प्रोत्साहन नहीं मिलेगा, क्योंकि युवा पीढ़ी अपने बुजुर्गों की देखभाल को अपना कर्तव्य समझेगी।

राजकीय विद्यालय खेदासरी मे व्याख्याता राम अवतार राठी द्वारा नवाचार

नरेश सिगची. शाबाश इंडिया

रावतसर। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खेदासरी मैं एक अनूठा नवाचार देखने को मिला है। यह नवाचार किया है रामावतार राठी जो वर्तमान में इस विद्यालय में व्याख्याता इतिहास पद पर कार्यरत हैं। संवाददाता से मिली जानकारी के अनुसार वर्तमान में रामावतार इस सरकारी विद्यालय में एकमात्र व्याख्याता है। इनके पास ही कार्यवाहक पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी का अतिरिक्त कार्यभार भी है। विद्यालय में राजनीति विज्ञान एवं अर्थशास्त्र व्याख्याता के पद रिक्त हैं इन विपरीत परिस्थितियों के बावजूद भी रामावतार विद्यार्थियों की बोर्ड परीक्षा की बेहतरीन तैयारी हो सके एवं बच्चे भविष्य में मजबूत प्रतिभागी बन सके। इसलिए सभी विषयों के पेपर अपने खर्चे से ही ओ.एम.आर पर आयोजित करवा रहे हैं परीक्षा के बाद सर्वश्रेष्ठ पाँच विद्यार्थियों को पुरस्कार स्वरूप पारितोषिक देकर सम्मानित किया जा रहा ताकि सभी बच्चे आगे से आगे अच्छा करने के लिए प्रेरित हो सके व्याख्याता ने बताया कि इस कार्य के लिए विद्यालय के सभी स्टाफ साथियों द्वारा भरपूर सहयोग किया जा रहा है ।

जसोल-सूरत, दुबई की मान्या भंसाली की प्रेरक उपलब्धि

विन्टर क्रॉनिकल शिर्षक से पुस्तक का लेखन-सम्पादन कर सिवांची-मालाणी क्षेत्र एवं तेरापन्थ जैन समाज का गौरव बढ़ाया

सूरत. शाबाश इंडिया। जसोल निवासी व दुबई प्रवासी मान्या भंसाली (सपुत्री राज-विवेका भंसाली) व (सुपौत्री गणपत जी-कस्तूरी देवी भंसाली) ने महज 14 वर्ष की उम्र में अपनी कल्पना शक्ति से अंग्रेजी भाषा की पुस्तक विन्टर क्रॉनिकल शिर्षक की पुस्तक की लेखिका बन कर सिवांची-मालाणी विस्तार व तेरापन्थ-जैन समाज का गौरव बढ़ाया है। ये पुस्तक विंटर सरनेम की दो जुड़वा बहिनों के अदम्य साहस पर आधारित है। कहानी डेनिका विंटर व उसकी बहिन से जुड़ी हुई है, जो आम किशोरियों की तरह स्कूल जाती थी व साथियों सहेलियों के साथ खेला करती थी। जिन्हें एक समुन्दरनुमा विशाल वॉटर पार्क में घातक समुंद्री जीवों के बीच फेंक दिया जाता है, लेकिन डेनिका व उसकी बहिन में समाई अलौकिक शक्तियों से वे अन्य किशोर-किशोरियों के साथ मिलकर जेफिर की बुराई के खिलाफ युद्ध लड़ती है। उपरोक्त पुस्तक दिल्ली के प्रकाशक नु वॉइस पब्लिकेशन ने प्रकाशित की है। 299 रु की कीमत की ये पुस्तक एमेजॉन, फ्लिपकार्ट व स्नैपडील के माध्यम से ऑनलाइन व दिल्ली आदि शहरों के प्रमुख बुक स्टॉलों पर भी उपलब्ध हें। ये उल्लेखनीय है कि मान्या जेम्स फाउंडर स्कूल दुबई की कक्षा 11 की विद्यार्थी है। व अंग्रेजी पुस्तकें पढ़ने में उसकी गहरी रुचि है। मान्या की ये उपलब्धि परिवार की साहित्यिक पृष्ठ भूमि का प्रमाण है। मान्या के दादा गणपत भंसाली स्वंय लेखक व पत्रकार है व अनेक पुस्तकें उनके द्वारा प्रकाशित हुई है तथा मान्या की भुआ भावना-कमलेश कोठारी (बंगलोर-जसोल) बतौर मोटिवेटर, ट्रेनर तथा लेखिका के रूप में ख्याति प्राप्त कर चुकी है।

मुनि दीक्षा शताब्दी पूर्ण (23 नवम्बर 2024)

प्रशममूर्ति आचार्य श्री शान्तिसागर जी महाराज (छाणी) परम्परा के प्रथम पट्टाधीश
परम पूज्य आचार्य श्री 108 सूर्य सागर जी महाराज

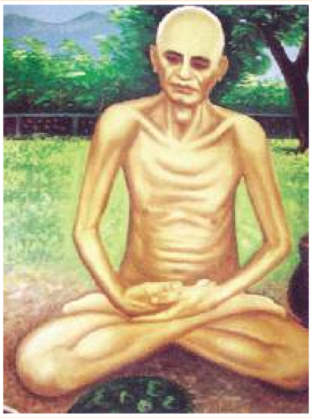

परम पूज्य आचार्य श्री 108 सूर्य सागर जी महाराज का जन्म कार्तिक शुक्ल नवमी तदनुसार 9 नवम्बर 1883 को ग्राम प्रेमसर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) में हुआ था। आपने आसोज शुक्ल षष्टी तदनुसार 4 अक्टूबर 1924 को इन्दौर (म.प्र.) में आचार्य श्री 108 शान्तिसागर जी महाराज (छाणी) के कर-कमलों से ऐलक दीक्षा ग्रहण की तथा 51 दिन पश्चात ही मार्गशीष बदी एकादशी तदनुसार 23 नवम्बर 1924 को आप हाटपीपल्या, जिला देवास (म.प्र.) में मुनि दीक्षा अंगीकार कर आत्म-कल्याण के मार्ग पर आरुढ़ हुए। आप दिगम्बर जैन परम्परा के ऐसे प्रमुख साधुओं में से एक थे जिन्होंने साहित्य के माध्यम से जैन आगम को सुदृढ़ एवं स्थायित्व प्रदान करने में अपना महनीय योगदान दिया। कार्तिक शुक्ल नवमी तदनुसार 21 नवम्बर 1928 को आपको कोडरमा (झारखण्ड) में आचार्य पद पर सुशोभित किया गया। इस परंपरा के पंचम पट्टाधीश परम पूज्य आचार्य श्री 108 विद्याभूषण सन्मति सागर जी महाराज के प्रमुख शिष्य परम पूज्य आचार्य श्री 108 अतिवीर जी मुनिराज ने पूज्य आचार्य-प्रवर के मुनि दीक्षा के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर उनके चरणों में अपनी विनयांजलि अर्पित करते हुए बताया कि आचार्य श्री 108 सूर्य सागर जी महाराज के जीवन में जहाँ स्वकल्याण एवं स्वात्मोत्थान की भावना थी वहीं धर्म प्रभावना एवं समाज के उत्थान के विचार भी पनपते रहे। आप अपने श्रमणकाल में तीर्थंकर महावीर स्वामी की देशना को जन-जन में प्रचारित किया। आप एक सच्चे समाज सुधारक थे तथा आपने समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने का साहसिक प्रयत्न किया। आपकी विद्वता, चारित्र निर्मलता

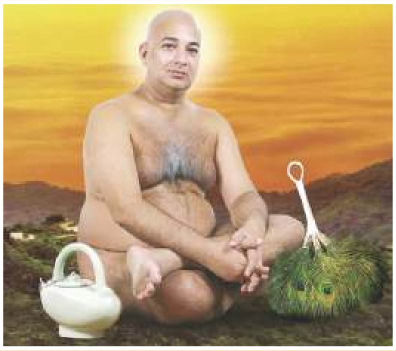

एवं संघ दक्षता को देखते हुए आचार्य श्री 108 शान्तिसागर जी महाराज (छाणी) के समाधिमरण के पश्चात आप परंपरा के पट्टाचार्य पद पर सुशोभित हुए। आचार्य श्री विवेकी साधु थे, वे निरंतर इस बात का ध्यान रखते थे कि किसी तरह उनके मूलगुणों में दोष न लगे। आप स्वयं ज्ञानाभ्यास में लीन रहते थे और अपने शिष्यों को भी स्वाध्याय करवाते थे। सन 1928 में आपने संघ सहित शाश्वत तीर्थ श्री सम्मेद शिखर जी की वंदना की। यहाँ आपका मंगल मिलन चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री 108 शान्तिसागर जी महाराज (दक्षिण) व 50-60 साधुओं से हुआ। सैकड़ों वर्षों में यह पहला अवसर था जब इतनी संख्या में त्यागीवृन्द एक साथ श्री सम्मेद शिखर जी में विराजमान थे। निर्भीक एवं स्वतंत्र विचारों के धनी आचार्य श्री 108 सूर्य सागर जी महाराज ने लगभग 35 ग्रथों का संकलन/प्रणयन किया। श्रमण एवं श्रावकों को कर्तव्यों का बोध करने वाला 'संयमप्रकाश' आपका अनुपम एवं विशालकाय ग्रन्थ है। पूज्य गणेश प्रसाद जी वर्णी आपको अपना गुरु स्वीकारते थे। आचार्य श्री निश्चय व व्यवहार मोक्षमार्ग पर पूर्णतया आरूढ़ रहे थे। आपने जिनागम को जैसा जाना-समझा उसे अपने व्यावहारिक जीवन में स्थान दिया। धार्मिक शिक्षा और सद्प्रवृत्तियों हेतु आप सदा प्रयत्नशील रहे आपके सदुपदेश से अनेक स्थानों पर पाठशालाएं, विद्यालय, औषधालय खुले और समाज में व्याप्त कषाय भी समाप्त हुई। सन 1952 में राजधानी दिल्ली से श्री सम्मेद शिखर जी की ओर मंगल विहार करते हुए आचार्य श्री ससंघ डालमिया नगर पहुंचे जहाँ उनका स्वास्थ्य अत्याधिक गिरने लगा। श्रावण कृष्णा नवमी तदनुसार 15 जुलाई 1952 को आचार्य श्री ने समाधिपूर्वक मरण कर इस नश्वर देह का त्याग किया। उस समय आचार्य श्री के निकट क्षुल्लक श्री पूर्णसागर जी आदि त्यागीवृन्द तथा साहू शांतिप्रसाद जी, सेठ तुलाराम जी, लाला राजकृष्ण जी, श्री हुलाश चंद्र सेठी जी आदि अनेकों व्यक्ति उपस्थित थे। पूज्य आचार्य श्री का जितना विशाल एवं अगाध व्यक्तित्व था, उनका कृतित्व उससे भी अधिक विशाल था। आचार्य श्री के कर-कमलों द्वारा अनेक भव्य जीवों ने जैनेश्वरी दीक्षा अंगीकार कर अपना जीवन धन्य किया जिनमें आचार्य श्री विजय सागर जी, मुनि श्री आनन्द सागर जी, मुनि श्री पद्म सागर जी, क्षुल्लक श्री पूर्ण सागर जी, क्षुल्लक श्री चिदानन्द सागर जी का नाम विशेष उल्लेखनीय है।

संकलन - समीर जैन (पीतमपुरा दिल्ली)

64वां आचार्य पद प्रतिष्ठापन दिवस एवं भव्य पिच्छिका परिवर्तन समारोह सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रताप नगर सेक्टर 8 में चातुर्मासरत वात्सल्य रत्नाकर आचार्य 108 श्री विमल सागर जी महामुनिराज का 64 वाँ आचार्य पद प्रतिष्ठापन दिवस एवं वात्सल्य मूर्ति पूज्य उपाध्याय 108 श्री ऊर्जयन्त सागर जी मुनिराज का वषायोग 2024 पिच्छिका परिवर्तन समारोह मुनि 108 श्री महिमा सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में मोहनलाल चंद्रावती चैरिटेबल ट्रस्ट भवन सेक्टर 10 प्रताप नगर सम्पन्न हुआ। चातुर्मास समिति संयोजक बाबू लाल जैन ईटून्दा के अनुसार दोपहर 1:15 बजे से शोभायात्रा श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर सेक्टर 8 से लवाजमें के साथ प्रारंभ हुई जो मोहनलाल चंद्रावती चैरिटेबल ट्रस्ट भवन पहुंची। दोपहर:- 2:00 बजे से चित्र अनावरण,दीप प्रज्वलन, मंगलाचरण, पादप्रक्षालन, शास्त्र भेंट, आचार्य श्री विमल सागर जी महाराज पूजन, अतिथि सम्मान, आदि कार्यक्रम के उपरांत उपाध्याय ऊर्जयन्त सागर जी मुनिराज की पिच्छिका परिवर्तन मुनि श्री महिमा सागर जी महाराज के

कर कमलों से नवीन पिच्छिका के भेंट करने के साथ हुआ, पुरानी पिच्छिका प्राप्त करने का सौभाग्य बाबूलाल ठेकेदार कमलेश जैन मंगल विहार को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में श्री महावीर जी तीर्थ क्षेत्र अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल, पदमपुरा अध्यक्ष सुधीर जैन, रूपेंद्र छाबड़ा, ताराचंद स्वीट केट्स, दौलत फागीवाला, सुखानंद काला सहित स्थानीय समाज अध्यक्ष कमलेश बावडी, महामंत्री महेंद्र पचाला कोषाध्यक्ष धर्म चंद पराना उपस्थित रहे।

'ज्ञान स्मृति धरोहर' का हुआ भव्य विमोचन

बड़ागांव, खेकड़ा. शाबाश इंडिया। छाणी परंपरा के सप्तम पट्टाचार्य श्री ज्ञेयसागर जी महाराज ससंघ, गणिनी आर्यिका श्री आर्षमती माता जी ससंघ, ऐलक श्री विज्ञान सागर जी महाराज के सान्निध्य में 18 नवम्बर 2024 को आचार्य श्री ज्ञानसागर आरोग्य धाम, डूंडाहेड़ा, मंडोला जिला बागपत में 'ज्ञान स्मृति धरोहर'का भव्य विमोचन किया गया। संपादन डॉ. सुनील जैन संचय ललितपुर ने किया है। ब्र. अनीता दीदी ने पुस्तक का परिचय देते हुए कहा कि इस स्मारिका में 1 फरवरी से 6 फरवरी 2023 तक ज्ञानतीर्थ मुरैना में सम्पन्न हुए। पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव की स्मृतियों एवं सराकोद्धारक आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज की स्मृतियों को संग्रहीत किया गया है। पुस्तक का विमोचन ब्र. जयकुमार निशान्त जी, प्रो. नलिन के शास्त्री, ब्र. मनीष भैया, ब्र. अनीता दीदी, ब्र. मंजुला दीदी, काउंसलर रितेश जैन , ज्ञानसागर आरोग्य धाम के पदाधिकारियों आदि ने किया। संपादक डॉ सुनील जैन संचय का सम्मान किया गया। विमोचन के बाद अचार्यश्री एवं मंचासीन सभी संघ को कृति भेंट की गई।

दिगंबर जैन एकता जागृति अभियान सभा 24 नवंबर को

जयपुर. शाबाश इंडिया। संपूर्ण जैन समाज जिसके हम सभी सदस्य हैं उसको एक सूत्र में पिरोने का कार्य आप सबके सहयोग से किया जाना है, जिसके आप सभी प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से साक्षी बने। जयपुर जैन सभा समिति के सुदीप बगड़ा ने बताया कि समिति के माध्यम से पूरे दिगंबर जैन समाज को एक छतरी के नीचे जैन एकता जागृति अभियान के माध्यम से लाने का प्रयास है।

सुरेंद्र पांड्या को मिला चतुर्मास कलश

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन मंदिर बाडा पदमपुरा में चातुर्मास कलश का वितरण आचार्य महिमा सागर जी महाराज के सानिध्य में किया गया ।पदमपुरा क्षेत्र के उपाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार जैन पण्ड्या और उनके परिवार ने आचार्य महिमा सागर जी से कलश लेकर सुखी जीवन का आशीर्वाद प्राप्त किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादक: राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

प्राचीन श्रीराम मंदिर के प्रांगण में श्रीमद् भागवत कथा आयोजित

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। शप्राचीन श्रीराम मंदिर के प्रांगण में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा हर के वार्ड नंबर 9 में स्थित प्राचीन श्रीराम मंदिर के प्रांगण में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के पहले दिन कथा में श्री श्री 108 भरत मुनि जी उदासीन (श्री पंचमुखी मंदिर) महाराज ने श्रद्धालुओं पर ज्ञानवर्षा करते हुए कहा कि परम मंगलमय भगवत्स्वरूप श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह में कल आपने भागवत का माहात्म्य श्रवण किया। श्रीमद् भागवत संहिता में प्रवेश करें जिसमे बारह स्कन्ध और अठारह हजार श्लोक है। मंगलाचरण में महर्षि वेदव्यास ने प्रथम श्लोक में 'सत्यं परम धीमहि' कहा किसी अवतार देवी देवता या किसी भी विग्रह को नाम नहीं लिया। ''सत्य स्वरूप परमात्मा का हम ध्यान करते हैं'' भरतमुनि जी महाराज ने बताया कि ऐसा कहने से यह ग्रंथ सार्वभौम बन गया। गीता की

ही भाँति भागवत ग्रंथ केवल हिन्दुओं अथवा सम्प्रदाय विशेष के लिये नही है अपितु समस्त मानवजाति के कल्याण के लिये हैं। चराचर प्राणियों के कल्याण के लिये है।

भागवत कथा से सम्बद्ध तीन संवाद है:- 1. सूतजी - शौनक जी का , 2. सनकादि - नारदजी का एवं , 3. श्री शुकदेव जी - परीक्षित जी का । भागवत सही अर्थों में एक दिव्य जीवन शास्त्र है। इसमे जीवन के अहम प्रश्न उठाये गये है एवं उनके माध्यम से समाधान प्रस्तुत किये गये हैं। राजा परीक्षित ने श्री शुकदेव जी से दो प्रश्न किये थे - 1. जीव को जीवन मे सदा सर्वदा क्या करना चाहिये व 2. जो थोड़े समय में मरने वाले है, उनका क्या कर्तव्य है? ये दोनो ही जीवन के मौलिक प्रश्न है और इन्ही के उत्तर मे जीवन का रहस्य, लक्ष्य समाहित है। भागवत की विविध कथाएँ , विविध प्रसंग इन्ही प्रश्नो के उत्तर में सुनाया गया। भागवत एक अनुपम-शास्त्र है, जीवन का महत्वपूर्ण मार्गदर्शक है। प्रत्येक मनुष्य को श्रद्धा से इसका ध्यान, मनन करना चाहिये। आज की कथा में श्री व्यास नारद संवाद, परीक्षित चरित्र , कुन्ती स्तुति, भीष्म स्तुति, महाराज परीक्षित को श्रृंगी ऋषि का श्राप एवं श्री शुकदेव जी प्राकट्य तक की कथा श्रवण करायी गई।

परम पूज्य पवित्रवती माता जी के सानिध्य में कुंडलपुर बड़े बाबा का विधान हुआ संपन्न

नौगामा. शाबाश इंडिया। परम पूज्य पवित्रमति माताजी के सानिध्य में प्रातः वागड़ के बड़े बाबा आदिनाथ भगवान नेमिनाथ भगवान की शांति धारा अभिषेक किया गया। अभिषेक के पश्चात आदिनाथ भगवान की प्रतिमा को गजों बाजो के साथ शोभायात्रा निकाली गई जो चातुर्मास पंडाल स्थल पर लाकर गंधकुटी में विराज मानकर परम पूज्य पवित्र माताजी सुयशमति माताजी गरिमामति माताजी करणमती माताजी रजतमति माताजी, उदित मति माताजी, गरिमा मति माताजी के सानिध्य में वाद्य यंत्रों के मधुर स्वर लहरों के साथ माताजी द्वारा उच्चारण के साथ अभिषेक शांति धारा करने का प्रथम सौभाग्य राजेश जैन, विकेश नानावटी, पंचोरी कमल केसरीमल के परिवार को प्राप्त हुआ । अभिषेक के पश्चात कुंडलपुर के बड़े बाबा के विधान के कलशो की स्थापना पंचोरी प्रियंका कपिल , तलाटी शर्मिला विपिन, नानावटी सुशीला विनोद द्वारा गई । दीप प्रज्वलित करने का सौभाग्य पंचोरी सुलोचना भरत द्वारा किया गया। उसके पश्चात गीतकार विजेंद्र नानावटी मधुर स्वर लहरों के साथ के साथ बारी-बारी से अर्घ्य चढ़ाए गए । अष्टाध्रव्य के थाल सजाकर महिलाएं नाचते गाते हुए गरबा नृत्य करते हुए अष्ट द्रव्य के थाल चढ़ाई। आर्यिका ने अपने मंगल प्रवचन में कहा कि आज चातुर्मास का अंतिम विधान है। इसमें बड़ोदिया नगर विहार माताजी दोनों माताजी का ऊर्जा समाहित है । चातुर्मास में आपने त्याग तप संयम साधना की है। और जो संस्कारों का बीजारोपण किया गया। उन्हें जीवन भर पालन करना है। यही गुरु का उपकार चुकाने का गुरु दक्षिणा का फल होगा।

श्री नितेश-श्रीमती मीनू जी पांड्या

सदस्य दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति

की वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या

संस्थापक अध्यक्ष: राकेश - समता गोदिका

सचिव: राजेश - रानी पाटनी

कोषाध्यक्ष: दिलीप - प्रमिला जैन

सांस्कृतिक सचिव: कमल-मंजू ठोलिया

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

बापू नगर दिगंबर जैन महिला मंडल द्वारा सामूहिक दीपावली स्नेह मिलन संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

बापू नगर दिगंबर जैन महिला मंडल द्वारा सामूहिक दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। महिला मंडल की अध्यक्षा सुरीला सेठी ने बताया कि मंडल द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्नेह मिलन समारोह दिनांक 20 नवंबर 2024 को भट्टारक जी की नसियां के अतिथि भवन में आयोजित किया गया। मंडल की कोषाध्यक्ष श्रीमती रेणु लुहाड़िया ने बताया कि कार्यक्रम में शामिल होने के लिए दोपहर 11. 30 बजे से महिलाओं का एकत्रित होना शुरू हुआ कार्यक्रम सायंकाल 6 बजे तक आयोजित किया गया। कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती शकुन बाँकीवाला ने बताया कि इस समारोह की मुख्य अतिथि समाज सेविका श्रीमती सुशीला जी सेठी व दीपावली क्वीन का आसन श्रीमती राजकुमारी अजमेरा ने सुशोभित किया। श्रीमती अंजू लुहाड़िया व श्रीमती शकुन बाँकीवाला ने बहुत आकर्षक व मनोरंजक गेम्स खिलाए। सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन श्रीमती कमलेश बाकलीवाल ने किया। श्रीमती प्रमिला कासलीवाल व ऊषा शाह के अनुसार कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित हुई सभी उपस्थित महिलाओं को एक आकर्षक गिफ्ट याददाश्त स्वरूप दिया गया।

ओल्ड सिटी की दीवारों पर पिछवाइयां बनाकर दी नई पहचान

उदयपुर. शाबाश इंडिया। गोल्डन जुबली ईयर एरा के तहत इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीरियर डिजाइनर्स (आईआईआईडी) के उदयपुर चैप्टर ने लेकसिटी ओल्ड सिटी दीवारों के जीर्णोद्वार परियोजना का समापन शुक्रवार को जयवाना हवेली में आयोजित किया। इसमें मुंबई से आए कई पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। आईआईआईडी की उदयपुर चैप्टर की हेड अंजलि दुबे ने बताया कि यह पहल ओल्ड शहर के झील किनारे क्षेत्र को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए थी। उन्होंने बताया कि इस दौरान क्षेत्रवासियों द्वारा शुरूआती विरोध और कतिपय लोगों की आनाकानी के बाद लालघाट की दीवारों के रिपेयरिंग और पेंटिंग के माध्यम से इनकी सुंदरता बढ़ाई गई। उन्होंने बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के नए दौर में मानव रचनात्मकता और संवेदनशीलता से इंडियन आर्ट को एथिकल रूप से अंजाम दिया गया। समारोह में आईआईआईडी के अध्यक्ष सरोश एच वाडिया और इनस्केप संपादक जबीन जकारियास ने भाग लिया।

इस अवसर पर आईआईआईडी की मैग्जीन का भी विमोचन हुआ। सरोश वाडिया ने कहा कि अच्छे डिजाइनों के माध्यम से हम भविष्य को आकार देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसमें कई स्थानीय कलाकारों और विद्यार्थियों को भी जोड़ा गया। ऐसे में यह परियोजना शहर के दीवारों को एक नई पहचान देगी और स्थानीय कला को बढ़ावा देगी। खबर/फोटोः राकेश शर्मा 'राजदीप'

कल्पद्रुम महामण्ड़ल विधान में समवशरण की महाआरती में झूमे श्रद्धालु

जयपुर. शाबाश इंडिया। सांगानेर थाना सर्किल स्थित चित्रकूट कॉलोनी में मुनि समत्व सागर महाराज ससंघ सानिध्य में चल रहे कल्पद्रुम महामंडल एवं विश्व शांति महायज्ञ में शुक्रवार को समोवशरण में विराजमान जिनेंद्र देव के समक्ष अर्घ्य चढ़ाये गये। वहीं सायंकाल भव्य संगीतमय महाआरती का आयोजन किया गया जिसमें श्रद्धालु प्रभू की भक्ति में सरोबार हो उठे। मंदिर समिति अध्यक्ष केवलचंद गंगवाल ने बताया कि कल्पद्रुम महामंडल विधान में समोवशरण में जिनेंद्र प्रभु को अर्घ्य अर्पित कर आत्म कल्याण के साथ विश्व शांति की कामना की गई। समिति मंत्री अनिल जैन काशीपुरा ने बताया कि सायंकाल महाआरती बघ्घी एवं बैण्डबाजों के साथ पाटनी भवन पंचवटी कॉलोनी से शुरू होकर विभिन्न मर्गों से होती हुई समोवशरण में पहुँची। रास्ते में श्रद्धालुओं द्वारा जैन भजनों की मधुर धुनों पर नृत्य कर भक्ति प्रदर्शित की गई। महाआरती का सौभाग्य अंजना देवी, महावीर सुरेंद्र जैन एडवोकेट निधि, नमोकार, संभव जैन पाटनी परिवार भोज्याडा को प्राप्त हुआ। चाँदी की गज थाली से समोवशरण में जिनेंद्र देव की महाआरती की गई। एडवोकेट महावीर सुरेन्द्र जैन के मुताबिक प्रातः इन्द्रों द्वारा केसरिया वस्त्र धारण कर श्री जी का अभिषेक कर वृहत शांतिधारा की गई। विधानाचार्य विकर्ष शास्त्री के सानिध्य में विधान के चक्रवर्ती कैलाश चन्द - राजेश देवी सोगानी, सौधर्म इन्द्र मूल चन्द - शांति देवी पाटनी, धनपति कुबेर केवल चन्द - संतोष देवी गंगवाल, महायज्ञ नायक पदम चन्द - चन्द्र कांता सिंघल के नेतृत्व में हजारों इन्द्र - इन्द्राणियों द्वारा विधान पूजन की गईं इस मौके पर राजस्थान जैन सभा जयपुर के मंत्री विनोद जैन कोटखावदा, संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो की संस्थापक अध्यक्ष दीपिका जैन कोटखावदा, सुधीर बाकलीवाल आदि ने कल्पद्रुम महामण्ड़ल विधान में समवशरण के दर्शन किये। मंदिर कमेटी की ओर से सम्मान किया गया।